www.CentumSure.com

Series OSR/2

कोड नं. **29/2/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज से लगभग छह सौ साल पूर्व संत कबीर ने साम्प्रदायिकता की जिस समस्या की ओर ध्यान दिलाया था, वह आज भी प्रसुप्त ज्वालामुखी की भाँति भयंकर बनकर देश के वातावरण को विदग्ध करती रहती है । देश का यह बड़ा दुर्भाग्य है कि यहाँ जाति, धर्म, भाषागत, ईर्ष्या, द्वेष, बैर-विरोध की भावना समय-असमय भयंकर ज्वालामुखी के रूप में भड़क उठती है । दस बीस हताहत होते हैं, लाखों-करोड़ों की सम्पत्ति नष्ट हो जाती है । भय, त्रास और अशांति का प्रकोप होता है । विकास की गति अवरुद्ध हो जाती है ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

कबीर हिन्दू-मुसलमान में, जाति-जाति में शारीरिक दृष्टि से कोई भेद नहीं मानते । भेद केवल विचारों और भावों का है । इन विचारों और भावों के भेद को बल धार्मिक कट्टरता और साम्प्रदायिकता से मिलता है । हृदय की चरमानुभूति की दशा में राम और रहीम में कोई अंतर नहीं । अन्तर केवल उन माध्यमों में है जिनके द्वारा वहाँ तक पहुँचने का प्रयत्न किया जाता है । इसीलिए कबीर साहब ने उन माध्यमों – पूजा-नमाज़, व्रत, रोज़ा आदि के दिखावे का विरोध किया ।

समाज में एकरूपता तभी संभव है जबकि जाति, वर्ण, वर्ग, भेद न्यून-से-न्यून हों । संतों ने मंदिर-मस्जिद, जाति-पाँति के भेद में विश्वास नहीं रखा । सदाचार ही संतों के लिए महत्त्वपूर्ण है । कबीर ने समाज में व्याप्त वाह्याडम्बरों का कड़ा विरोध किया और समाज में एकता, समानता तथा धर्म-निरपेक्षता की भावनाओं का प्रचार-प्रसार किया ।

(क) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ख) क्या कारण है कि कबीर छह सौ साल बाद भी प्रासंगिक लगते हैं ? *2*

(ग) किस समस्या को ज्वालामुखी कहा गया है और क्यों ? *2*

(घ) समाज में ज्वालामुखी भड़कने के क्या दुष्परिणाम होते हैं ? *2*

(ङ) मनुष्य-मनुष्य में भेदभाव के विचार कैसे बलशाली बनते हैं ? *2*

(च) कबीर ने किन माध्यमों का विरोध किया और क्यों ? *2*

(छ) समाज में एकरूपता कैसे लाई जा सकती है ? *1*

(ज) 'सांप्रदायिकता' शब्द से एक उपसर्ग और एक प्रत्यय चुनिए । *1*

(झ) 'कबीर ने समाज में व्याप्त वाह्याडम्बरों का कड़ा विरोध किया ।' उक्त वाक्य को मिश्रवाक्य में बदलकर लिखिए । *1*

(ञ) गद्यांश में से शब्दों के उस जोड़े (शब्द-युग्म) को चुनकर लिखिए जिसके दोनों शब्द परस्पर विलोम हों । *1*

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5=5$

दिल्ली फूलों में बसी, ओस-कण से भीगी, दिल्ली सुहाग है, सुषमा है, रंगीनी है,
प्रेमिका-कंठ में पड़ी मालती की माला, दिल्ली सपनों की सेज मधुर रस-भीनी है ।

बस, जिधर उठाओ दृष्टि, उधर रेशम केवल, रेशम पर से क्षण भर को आँख न हटती है,
सच कहा एक भाई ने, दिल्ली में तन पर रेशम से रुखड़ी चीज़ न कोई सटती है ।

हो भी क्यों नहीं ? कि दिल्ली के भीतर जाने, युग से कितनी सिद्धियाँ समायी हैं ।
औ' सबका पहुँचा काल तभी जबसे उनकी आँखें रेशम पर बहुत अधिक ललचायी हैं ।

रेशम से कोमल तार, क्लांतियों के धागे, हैं बँधे उन्हीं से अंग यहाँ आज़ादी के,
दिल्ली वाले गा रहे बैठ निश्चिंत मगन रेशमी महल में गीत खुरदुरी खादी के ।

वेतनभोगिनी, विलासमयी यह देवपुरी, ऊँघती कल्पनाओं से जिसका नाता है,
जिसको इसकी चिन्ता का भी अवकाश नहीं, खाते हैं जो वह अन्न कौन उपजाता है ।

भारत धूलों से भरा आँसुओं से गीला, भारत अब भी व्याकुल विपत्ति के घेरे में ।
दिल्ली में तो है खूब ज्योति की चहल-पहल, पर भटक रहा है सारा देश अँधेरे में ।।

(क) सुख-सुविधाओं से पूर्ण दिल्ली का वर्णन लेखक ने किस प्रकार किया है ?

(ख) 'रेशम' किसका प्रतीक है ? वह दिल्ली के तन पर ही क्यों सजता है ?

(ग) दिल्ली और शेष भारत में कवि ने क्या अंतर बताया है ?

(घ) दिल्ली को 'विलासमयी देवपुरी' कहे जाने का औचित्य समझाइए ।

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए :

रेशम से कोमल तार, क्लांतियों के धागे
हैं बँधे उन्हीं से अंग यहाँ आज़ादी के ।

अथवा

www.CentumSure.com

आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई
नए जन्म की श्वास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई ।
आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना,
नवयुग के पृष्ठों पर तुमको, है नूतन इतिहास लिखाना ।
उठो राष्ट्र के नव यौवन तुम, दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण,
जगो देश के प्राण, जगा दो नए प्रात का नया जागरण ।
आज विश्व को यह दिखला दो, हममें भी जागी तरुणाई;
नई किरण की नई चेतना में हमने भी ली अँगड़ाई ।
बहो पंथ की बाधा तोड़ो जैसे बहते जाते निर्झर
प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर ।

(क) विगत युग के पतझर से क्या आशय है ? हमें उसके स्थान पर क्या करना है ?

(ख) किसकी तरुणाई को देश की आशा कहा गया है और क्यों ?

(ग) कविता किन्हें सम्बोधित है ? उनसे क्या अपेक्षा की गई है ?

(घ) 'निर्झर' का उल्लेख क्यों हुआ है ? उससे क्या सीखना होगा ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए :

जगो देश के प्राण, जगा दो नए प्रात का नया जागरण ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) मेरे सपनों का भारत

(ख) मैं इसलिए हिन्दी पढ़ता हूँ

(ग) पर्यावरण और हम

(घ) भारतीय नारी

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

4. हानिकारक प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और समस्या के समाधान के लिए एक उपाय भी सुझाइए । *5*

अथवा

टी.वी. के किसी विशेष चैनल के द्वारा तर्कहीन, अवैज्ञानिक और अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं । उनका उल्लेख करते हुए चैनल के प्रधान संपादक को पत्र लिखिए ।

5. कल्पना कीजिए कि आप उत्तराखण्ड के किसी आपदाग्रस्त क्षेत्र में पत्रकार के रूप में गए हैं । जन-जीवन को पहुँची क्षति, आपदा राहत कार्यों आदि की जानकारी देते हुए एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*

अथवा

'नारियों के प्रति अत्याचार की बढ़ती प्रवृत्ति और उससे निपटने के उपाय' विषय पर एक आलेख लिखिए ।

6. निम्नलिखित का संक्षेप में उत्तर दीजिए : *5*

(क) प्रिंट माध्यम से आप क्या समझते हैं ?

(ख) 'बाइट' किसे कहा जाता है ?

(ग) 'ब्रेकिंग न्यूज़' का आशय समझाइए ।

(घ) 'पिरामिड' शैली की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ङ) इंटरनेट पत्रकारिता के दो लाभ बताइए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

खण्ड ग

7. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

पूरन प्रेम को मंत्र महापन जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ ।
ताही के चारु चरित्र बिचत्रनि यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ ।
ऐसौ हियो हित पत्र पवित्र जो आन-कथा न कहूँ अवरेख्यौ ।
सो घनआनंद जान अजान लौं टूक कियौ पर बाँचि न देख्यौ ।

अथवा

ये पत्थर ये चट्टानें
ये झूठे बंधन टूटें
तो धरती को हम जानें
सुनते हैं मिट्टी में रस है जिससे उगती दूब है
अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) बनारस में वसंत के आगमन और उसके व्यापक प्रभाव पर कविता के आधार पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) 'सरोज स्मृति' कविता में कवि के आत्मकथन 'दुख ही जीवन की कथा रही' की वेदना को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) राम के वनगमन के बाद माता कौशल्या की मनोदशा का चित्रण तुलसी के पदों के आधार पर कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** काव्यांशों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *3+3=6*

(क) अघ ओघ की बेरी कटी बिकटी निकटी प्रकटी गुरुज्ञान गटी,
चहुँ ओरनि नाचति मुक्तिनटी गुन धूरजटी वन पंचवटी ।

(ख) यह दीप अकेला स्नेहभरा
है गर्वभरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

(ग) तुम्हारे सामने बिलकुल नंगा निर्लज्ज और निराकांक्षी

मैंने अपने को हटा लिया है हर होड़ से

मैं तुम्हारा विरोधी प्रतिद्वंद्वी या हिस्सेदार नहीं

मुझे देकर या न देकर भी तुम

कम-से-कम एक आदमी से तो निश्चिंत रह सकते हो ।

10. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

फिर हुक्म ये निकला कि लोग अपने-अपने होंठ सिलवा लें, क्योंकि बोलना उत्पादन में सदा से बाधक रहा है । लोगों ने काफ़ी सस्ती दरों पर होंठ सिलवा लिए और फिर उन्हें पता लगा कि अब वे खा भी नहीं सकते हैं । लेकिन खाना भी काम करने के लिए बहुत आवश्यक नहीं माना गया । फिर उन्हें कई तरह की चीज़ें कटवाने और जुड़वाने के हुक्म मिलते रहे और वे वैसा ही करवाते रहे । राज रात-दिन प्रगति करता रहा ।

अथवा

भारत की सांस्कृतिक विरासत यूरोप की तरह म्यूज़ियम्स और संग्रहालयों में जमा नहीं थी – वह उन रिश्तों से जीवित थी, जो आदमी को उसकी धरती, उसके जंगलों, नदियों – एक शब्द में कहें – उसके समूचे परिवेश के साथ जोड़ते थे । अतीत का समूचा मिथक संसार पोथियों में नहीं, इन रिश्तों की अदृश्य लिपि में मौजूद रहता था ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4+4=8*

(क) 'ढेले चुन लो' शीर्षक मनके में उल्लिखित जीवन साथी के चुनाव की विधि का वर्णन करते हुए आज के संदर्भ में उसकी समीक्षा कीजिए ।

(ख) किन्हीं दो प्रसंगों का उल्लेख करते हुए यास्सेर अराफ़ात के आतिथ्य प्रेम पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) कुटज की 'अपराजेय जीवनी शक्ति' का उदाहरण देते हुए लिखिए कि उससे हमें क्या-क्या प्रेरणाएँ प्राप्त कर सकते हैं ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

12. ममता कालिया **अथवा** रामविलास शर्मा के जीवन और उनकी रचनाओं का संक्षेप में उल्लेख करते हुए उनकी भाषा और शैली की दो प्रमुख विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । *6*

अथवा

जयशंकर प्रसाद **अथवा** विद्यापति के जीवन और उनकी रचनाओं का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए उनकी दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड घ

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) पर्वतारोहण का विधिवत प्रशिक्षण लेने के बावज़ूद रूपसिंह अपने भाई के सामने बौना क्यों पड़ गया ?

(ख) 'अब मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता जैसे पहले गिरा करता था,' इसके क्या-क्या कारण हो सकते हैं ?

(ग) सूरदास अपनी हानि को जगधर से गुप्त क्यों रखना चाहता था ?

14. 'बच्चे का माँ का दूध पीना सिर्फ़ दूध पीना नहीं, माँ से बच्चे के सारे सम्बन्धों का जीवन-चरित होता है ।'

(i) उक्त कथन से उजागर होने वाले मानवीय मूल्यों पर प्रकाश डालिए । *3*

(ii) 'माँ का स्तनपान बच्चे के लिए श्रेष्ठ आहार है' – टिप्पणी कीजिए । *2*

15. 'हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं, वह उजाड़ की अपसभ्यता है ।' उपर्युक्त कथन के पक्ष या विपक्ष में तर्क देकर अपनी मान्यता को स्थापित कीजिए । *6*

अथवा

घर, परिवार और खेत प्राकृतिक आपदा की भेंट चढ़ने के बाद भी भूप और शैला ने किस प्रकार अपने आपको स्थापित किया ? उनकी संघर्ष कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

www.CentumSure.com